वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 23 | रविवार 18 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्य में पर्यटन नीति, फिल्म नीति शीघ्रता से हो जारीः उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री ने राज्य में एडवेंचर योजना पर कार्य किये जाने के अधिकारियों को दिए निर्देश, पर्यटन साइट्स पर पर्याप्त संख्या में लगाए जाएं सीसीटीवी कैमरे

जयपुर. शाबाश इंडिया

उपमुख्यमंत्री ने श्री खाटूश्याम जी का सुनियोजित विकास कार्य किया जाने तथा वहां दर्शनार्थियों की सुविधा पर फोकस करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर में प्रवेश और निकासी की बेहतर सुविधा विकसित किये जाने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में पर्यटन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में गुरुवार को शासन सचिवालय में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में आयोजित की गई। उपमुख्यमंत्री ने राज्य में पर्यटन नीति, फिल्म नीति शीघ्रता से जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य में एडवेंचर योजना पर कार्य किये जाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ ही विभिन्न पर्यटन साइट्स पर पर्याप्त संख्या में सीसी टीवी कैमरे लगाये जाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने राज्य में पर्यटन नीति, फिल्म नीति को अंतिम रूप से तैयार कर, शीघ्र ही जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके साथ ही राज्य में एडवेंचर योजना पर कार्य करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पुष्कर सरोवर की डीपीआर में सरोवर के कार्यों सहित घाट के सौंदर्यकरण का कार्य एवं अन्य वॉछित उपयोगी कार्यों को प्राथमिकता से लेने के निर्देश भी प्रदान किये। उपमुख्यमंत्री ने श्री खाटूश्याम जी का सुनियोजित विकास कार्य किया जाने तथा वहां दर्शनार्थियों की सुविधा पर फोकस करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिर में प्रवेश और निकासी की बेहतर सुविधा विकसित किये जाने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने मालासेरी डूंगरी के विकास कार्यों की विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने जयपुर के चारदीवारी क्षेत्र में विकास कार्य करवाये जाने के निर्देश दिए इसके साथ ही उन्होंने जयपुर सहित पर्यटन साइट्स पर स्वच्छता एवं साफ सफाई के कार्यों की चर्चा की और निर्देश दिए कि पर्यटन साइट्स पर मुख्य रूप से पेयजल की सुविधा के साथ शौचालयों की बेहतर सुविधाएं विकसित की जाए। उन्होंने पर्यटन साइट्स पर पर्याप्त संख्या में सीसी टीवी कैमरे लगाएं जाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के आमेर क्षेत्र में कॉन्सेर्ट वेंन्यु विकसित किये जाने की सम्भावनाओं को तलाशने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने चौड़ा रास्ता स्थित टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर (टीएफसी) के बेहतर उपयोग का प्लान बनाने के निर्देश प्रदान किये। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एनएचएआई द्वारा राज्य के चार स्थान आमेर, रणथंबोर, चित्तौड़ एवं बांसवाड़ा में स्थापित किए जाने वाले रोप वे की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही अजमेर के चामुंडा माता मंदिर पर रोप वे स्थापना हेतु कार्यवाही प्रारमभ करने के निर्देश प्रदान किए। दिया कुमारी ने शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण कार्य हेतु चर्चा की।समीक्षा बैठक में पर्यटन विभाग के विभिन्न बिंदुओं जैसे अल्बर्ट हॉल के जीर्णोद्धार, लाइट एंड साउंड शो, बावड़ियों का जीर्णोद्धार, डेजर्ट टूरिज्म झुंझुनू में वार म्यूजियम के लिए चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इसी प्रकार जैसलमेर के वार म्यूजियम पर भी चर्चा की और निर्देश दिए। टैगोर योजना पर चर्चा की गई। इसी प्रकार महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट के पर चर्चा की।

सिद्धांतों से कभी न करें समझौताः न्यायाधिपति गर्ग

अग्रवाल गौरव सम्मान समारोह 2025 में अग्रवाल समाज के नवनियुक्त 19 न्यायिक मजिस्ट्रेट व प्रतिभाओं का सम्मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया। न्यायाधिपति मनोज गर्ग ने कहा कि अपने आत्मा और जमीर को कभी गिरने मत दो, सिद्धांतों से कभी समझौता मत करो। वे शनिवार को यहां पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन की ओर से यहां टाउनहॉल स्थित सुखाड़िया रंगमंच पर आयोजित अग्रवाल गौरव सम्मान समारोह एवं प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। समारोह में हाल ही राजस्थान न्यायिक सेवा में चयनित अग्रवाल समाज के होनहार 19 न्यायिक मजिस्ट्रेट तथा विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय सेवाएं दे रही उदयपुर की दस प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। न्यायाधिपति गर्ग ने कहा कि यहां दायित्व के प्रति जीवन में कभी कोताही नहीं बरतनी चाहिए। मुख्य अतिथि न्यायाधिपति विनीत माथुर ने कहा कि न्यायिक सेवा में आने के पश्चात हमारा यह प्रथम दायित्व बन जाता है कि आम जनता और गरीब को न्याय संगत तरीके से उसका अधिकार दिलाया जाए और देश की कानून संहिता तथा देश के संविधान को शिरोधार्य रखते हुए अपने न्यायिक अधिकारी के सेवाकाल को पूरा करें। न्यायाधिपति माथुर ने कहा कि सच्चा न्याय वही है जो सत्य, करुणा और विवेक से जन्म लेता है। न्याय वह है जो न केवल किया जाए, बल्कि होते हुए दिखे। उन्होंने राजस्थान न्यायिक सेवा में अग्रवाल समाज से 19 नौजवान बालक बालिकाओं के मजिस्ट्रेट चयनित होने के लिए समाज को बधाई दी। समारोह की अध्यक्षता करते हुए पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष केके गुप्ता ने कहा कि सेवा कार्यों के लिए अग्रवाल समाज को पहचाना जाता है। अग्रवाल समाज के 19 युवाओं का न्यायिक मजिस्ट्रेट पद पर सुशोभित होना समाज के लिए गौरव की बात है। समाज की प्रतिभाओं को सिविल सर्विसेज या उच्च शिक्षा के लिए समाज हर समय मदद को तैयार है। अति विशिष्ट अतिथि भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि समाज की घटती राजनीति स्तर को लेकर भी हमें चर्चा करनी चाहिए। राजनीति में बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी निभानी होगी तब कहीं जाकर हम समाज की समस्याओं को समाप्त कर पाएंगे। गीतांजलि कॉलेज के जेपी अग्रवाल ने उपस्थित समाजबंधुओं का आह्वान किया कि वे समाज सेवा के महत्व को समझें और इसके लिए आगे आएं। समरोह में अतिविशिष्ट अतिथि भाजपा अध्यक्ष गजपालसिंह, विधायक फूलसिंह मीणा, विशिष्ट अतिथि नारायण सेवा संस्थान के प्रशांत अग्रवाल, पेसिफिक कॉलेज के राहुल अग्रवाल, खेतान ग्रुप के शशिकांत खेतान, डीपीएस के गोविंद अग्रवाल, अरावली ग्रुप कॉलेज के नटवर खेतान, जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल थे। प्रारंभ में अतिथियों ने महाराज भगवान अग्रसेन की तस्वीर के सम्मुख दीप प्रज्वलन किया। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष व डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व सभापति केके गुप्ता द्वारा लिखी गई स्वच्छता पर्यावरण एवं जल संचय तथा जल संरक्षण पर लिखी गई पुस्तक प्रयास से परिणाम तक का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। साथ ही पूर्व प्रदेश महामंत्री स्व. राकेश अग्रवाल एवं पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष स्व. राम गोपाल अग्रवाल को ₹अग्रवाल राजस्थान रत्न₹ से नवाजा गया। पुस्तक में डूंगरपुर को स्वच्छ बनाने के प्रयास से लेकर परिणाम तक का वर्णन किया गया है। समारोह में वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष वीणा अग्रवाल, सीए सीपी बंसल, विक्रम अग्रवाल, चंचल कुमार अग्रवाल सहित समाज के पुरुष वर्ग धवल परिधान एवं महिला वर्ग लाल रंग के परिधान पहनकर शामिल हुए। समाज गौरव सम्मान से अभय बंसल सवाईमाधोपुर, आयुषी गोयल कोटपुतली, कनक बंसल बुलंदशहर यूपी, कृतिका अग्रवाल बिजनौर यूपी, महक सिंघल जोधपुर, निनाशा अग्रवाल जोधपुर, नूपुर गुप्ता भोपाल, पायल अग्रवाल करौली, पूनम अग्रवाल चूरू, सौरभ बंसल चूरू, तन्वी सिंघल भरतपुर तथा विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले मुकेश जैन (णमोकार) पर्यावरण क्षेत्र में, रमेश सोनार्थी (ब्लड कलेक्शन), माणक अग्रवाल (समाज सेवी), सुरेश मित्तल (समाज सेवी), नरेश शर्मा (मेवाड़ जनशक्ति दल) स्वच्छता, अनिल मेहता (झील संरक्षण), पीसी जैन (जल संरक्षण एवं जल संचय), अनिल नाहर (समाज सेवा) और सुदर्शन देव सिंह कारोही एवं राजेश अग्रवाल (पर्यटक क्षेत्र), मुख्य वन संरक्षक आरके जैन (पर्यावरण क्षेत्र में सराहनीय कार्य), अशोक अग्रवाल (समाज में विशिष्ट कार्य करने) का सम्मान किया गया।

फोटो/रिपोर्ट : कौशल मूँदड़ा

विकसित भारत की दिशा में अग्रसर मोदी विश्वविद्यालयः छात्राओं को मिल रहा रोजगारपरक शिक्षा का संबल

डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, बॉयोमेडिकल तथा न्यूक्लियर साइंस जैसे नवीनतम कोर्स आरंभ, इसी सत्र से डे स्कूल भी होगा शुरू

उदयपुर. शाबाश इंडिया

लक्ष्मणगढ़ स्थित मोदी विश्वविद्यालय 'विकसित भारत' की संकल्पना को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। विश्वविद्यालय में रिसर्च एवं स्किल-बेस्ड एजुकेशन को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि छात्राएं न केवल अपने करियर में सफल हों, बल्कि देश की प्रगति में भी निर्णायक भूमिका निभा सकें। डीजीएम एडमिशन प्रवीण झा ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि विश्वविद्यालय में करीब साढ़े तीन हजार छात्राएं उच्च शिक्षा ग्रहण कर रही हैं, जबकि संबद्ध स्कूल में लगभग 750 बालिकाएं अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय में केवल छात्राएं ही अध्ययन करती हैं, जिन्हें आधुनिक तकनीक और व्यवहारिक ज्ञान से सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, बॉयोमेडिकल तथा न्यूक्लियर साइंस जैसे नवीनतम कोर्स प्रारंभ किए गए हैं। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग पर बल दिया जाता है, जिससे छात्राएं उद्योग जगत की मांगों के अनुरूप दक्ष बन सकें। इसी तरह, लिबरल आर्ट्स एंड साइंस विभाग के अंतर्गत फॉरेंसिक साइंस, फूड एंड न्यूट्रिशन, फिजियोथेरेपी, जर्नलिज्म एवं बायोटेक्नोलॉजी जैसे कोर्स छात्राओं को व्यवहारिक दृष्टिकोण के साथ तैयार करते हैं। स्कूल ऑफ लॉ की प्रोफेसर डॉ. पूजा जैन ने बताया कि इस वर्ष 6 छात्राओं ने राजस्थान विधिक सेवा में चयनित होकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। स्कूल ऑफ बिजनेस में बीबीए, एमबीए, डिजिटल मार्केटिंग जैसे कोर्स सहित डी.फार्मा और बी.फार्मा जैसे चिकित्सा से जुड़े कोर्स भी शुरू किए गए हैं। पीआरओ राजीव सिंह ने बताया कि इस सत्र से कक्षा पहली से बारहवीं तक का डे स्कूल भी शुरू किया जा रहा है। मोदी विद्यालय एवं विश्वविद्यालय ने छात्राओं के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजनाएं लागू की हैं-जिसमें राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में टॉप करने वाली छात्राओं को 100% छात्रवृत्ति, जबकि शहीदों, सैनिकों, पुलिस कर्मियों के बच्चों को 25% से 50% तक की राहत दी जाती है। इसी प्रकार SC/ST, दिव्यांग व आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को भी 10% छात्रवृत्ति दी जाती है। विश्वविद्यालय का कैरियर डेवलपमेंट सेल छात्राओं को इंटरनशिप एवं प्लेसमेंट के अवसर भी प्रदान करता है। इस वर्ष 33 लाख का अधिकतम पैकेज और 2 लाख रुपये तक का इंटर्नशिप स्टाइपेंड प्राप्त हुआ है। एटिकेट एंड फिनीशिंग स्कूल में छात्राओं को कॉर्पोरेट कल्चर के अनुरूप प्रशिक्षण, इंग्लिश लैंग्वेज कैम्प, योग, मेडिटेशन, एनसीसी, एनएसएस, घुड़सवारी जैसे विशेष सत्रों के माध्यम से सर्वांगीण विकास का अवसर मिलता है। अंत में उदयपुर की निमिषा व्यास एवं नितिन व्यास ने विश्वविद्यालय द्वारा बालिकाओं के जीवन को व्यवहारिक, रोजगारपरक एवं आत्मनिर्भर बनाने की इस पहल की सराहना की।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की तीसरी बिजनेस मीटिंग रही ऐतिहासिक रूप से सफल

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा आयोजित तीसरी बिजनेस मीटिंग का आयोजन जयपुर स्थित होटल ग्रैंड सफारी में अत्यंत उत्साह और उत्सव के वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस भव्य आयोजन में 50 से अधिक उद्यमियों ने सहभागिता निभाई, जिन्होंने आपसी संवाद, अनुभवों के आदान-प्रदान और व्यवसायिक दृष्टिकोण से इस कार्यक्रम को एक सार्थक मंच बना दिया। क्लब अध्यक्ष अनिल जैन ने इस अवसर पर बताया कि जब विचार मिलते हैं और ऊर्जा एकजुट होती है, तो हर बैठक एक नई उड़ान बन जाती है। यह मीटिंग रिश्तों की मिठास, विश्वास की बुनियाद और व्यवसायिक अवसरों का संगम बन गई। कार्यक्रम में सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रेरणादायक बिजनेस प्रेजेंटेशन ने नई सोच, नया जोश और आपसी सहयोग की भावना को प्रबल किया। सभी सदस्यों के बीच आपसी संवाद और सौहार्द ने रोटरी की भावना को और भी मजबूत किया। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की यह पहल व्यापारिक नेटवर्क को सशक्त बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हुई। अध्यक्ष अनिल जैन ने सभी उपस्थित सदस्यों का हृदय से आभार प्रकट करते हुए कहा कि हर मीटिंग एक अवसर है सीखने का, सिखाने का और साथ मिलकर आगे बढ़ने का।

वेद ज्ञान

अपनी प्रशंसा न स्वयं करें और न ही सुनें

आपको सद्बुद्धि के साथ-साथ निश्चयात्मक बुद्धि और पवित्रता चाहिए, तो मां भगवती की आराधना करें। शक्ति परांबा की आराधना करें। वे विद्या हैं, मुक्तिप्रदायिनी भी हैं। वे अविद्या भी हैं, बंधन में डाल देने वाली। वे ही हृदय में सद्भाव का संचरण करती हैं। वही हैं बीजों में बीजत्व। वही हैं शक्ति। वही हैं भक्ति। वही हैं मेधा ऋतंभरा भी। उनकी कृपा दृष्टि पड़ने पर आसुरी भाव दैवी भाव में बदल जाते हैं। बुद्धि की जड़ता छिन जाती है और चैतन्य का प्रसाद मिल जाता है। उनकी कृपा से वेदों को समझने की शक्ति मिल जाती है। वे जब कृपा करती हैं, तो हमारा कौतूहल जिज्ञासा बन जाता है, जो दुर्गति का नाश कर दे और चित्त को सारे व्यसनों से मुक्त कर परम सत्ता की ओर उन्मुख कर दे, वही दुर्गा हैं। इसलिए देवी भागवत अध्यात्म का शास्त्र है। अध्यात्म यानी अध्य-आत्म अर्थात अपनी तरफ लौटना, स्वरूप की तरफ लौटना। शुचिता और पवित्रता की तरफ लौटना। मां से हम प्रार्थना करें कि हमारा मन ऐसा हो जाए, जिसमें परमात्मा स्वयं आकर विराजमान हो जाएं। मां हमें करुणा, पवित्रता तथा प्रसन्नता प्रदान करें। मां के लिए सुर-असुर एक समान हैं। वह पात्रता नहीं देखती हैं। वह तो वत्सला होती हैं। जीवन के सबसे बड़े बंधन हैं-राग-द्वेष। इसलिए अपनी प्रशंसा न स्वयं करें और न ही सुनें। जहां ऐसा हो रहा हो, वहां से पलायन कर जाएं। जहां आपकी प्रशस्ति गाई जा रही हो, वहां से अनुपस्थित हो जाएं। दरअसल, किसी भी कार्य के संपन्न होने में ईश्वरीय शक्ति का योगदान होता है। मनुष्य तो सिर्फ माध्यम बनते हैं। इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए। आपका प्रशस्ति गान करने वाले लोग मिथ्या भी बोल सकते हैं, लेकिन अपने मन के दर्पण में देखकर स्वयं के बारे में जानने की कोशिश करते रहें। हम प्रशंसा के योग्य हैं या नहीं, इसके द्वारा यह जान सकते हैं। सारी दुनिया जय-जयकार करे, तो हमें अपने मन से पूछना चाहिए कि हमारी दशा क्या है। राग ही सारे अनर्थ की जड़ है। सृजन के लिए बुद्धि चाहिए। सृजन को हम ब्रह्मा या मां सरस्वती की कृपा मानते हैं। यदि आप वास्तव में मां सरस्वती की कृपा चाहते हैं, तो अपने प्रयासों से देश भर में विद्यालयों की स्थापना करें, इस संकल्प के साथ कि देश का कोई भी बच्चा निरक्षर नहीं रह पाए।

संपादकीय

भारत की बदली रणनीति, कूटनीतिक घेरेबंदी शुरू

पहलगाम हमले की प्रतिक्रिया में पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष के बाद भारत ने अपनी रणनीति में तेजी से बदलाव किया है। आतंकवाद के खिलाफ सतत संघर्ष के लिए सुरक्षाबल तैनात हैं। शीर्ष नेतृत्व लगातार उन जगहों पर जाकर सेना का मनोबल बढ़ा और पाकिस्तान के झूठे दावों का पदार्फाश कर रहा है, जिन पर पाकिस्तान ने हमले की बात कही थी। इसी क्रम में रक्षामंत्री श्रीनगर में सेना के जवानों से मिलने गए। वहां उन्होंने

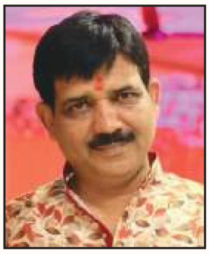

अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया कि पाकिस्तान एक दुष्ट और गैरजिम्मेदार देश है, उसके पास परमाणु हथियार होना खतरे से खाली नहीं हो सकता। वह बार-बार भारत को परमाणु हमले की धमकी देता रहा है। इसके पहले प्रधानमंत्री ने भी कहा था कि भारत कभी पाकिस्तान की परमाणु धमकी के आगे झुकने वाला नहीं है। रक्षामंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के परमाणु आयुध पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी की निगरानी होनी चाहिए। भारत इसकी मांग अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाएगा। भारत ने पाकिस्तान के साथ सभी तरह के व्यापारिक संबंध तोड़, सिंधु जल समझौते को निलंबित और उसके आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर उसे काफी कमजोर कर दिया है। अब उसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी घेरने की तैयारी शुरू कर दी है। अगर उसके परमाणु हथियारों पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी की निगरानी पर सहमति बनती है, तो पाकिस्तान पर दबाव और बढ़ जाएगा। पाकिस्तान के परमाणु आयुध को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। इसलिए कि वहां आतंकवादी संगठनों को प्रश्रय मिलता है। वहां के खूंखार दहशतगर्द सेना और खुफिया एजंसी के संरक्षण में रहते रहे हैं। ऐसे में यह खतरा लगातार बना रहता है कि उसके परमाणु हथियार अगर आतंकियों के हाथ लग गए, तो वे विनाश का कारण बन सकते हैं। भारत के साथ पाकिस्तान के तल्ख रिश्ते किसी से छिपे नहीं हैं, पर दूसरे देशों में भी उसके आतंकियों की गतिविधियां उजागर हैं। इसलिए यह न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। भारत ने न सिर्फ उसके नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बना कर उन्हें ध्वस्त कर दिया, बल्कि इसके सबूत भी पूरी दुनिया के सामने पेश कर दिए कि वहां का राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व विश्व आतंकवादी की सूची में शामिल संगठनों और आतंकियों के साथ खड़ा है। इतना कुछ हो जाने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। कश्मीर के त्राल और केल्लर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में छह आतंकियों का मारा जाना इस बात का सबूत है कि अब भी वह घाटी में दहशतगर्दी को बढ़ावा दे रहा है। आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में भारत ने अपनी रणनीति बदल कर जमीनी स्तर और विश्व मंच, दोनों जगह पाकिस्तान को घेरने की तैयारी कर ली है। घाटी से दहशतगर्दों के सफाए का निरंतर अभियान उसी का नतीजा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बड़बोले नेता!

जब देश महत्वपूर्ण मोड़ पर है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। बिगड़े बोल पर खासकर मध्य प्रदेश में सियासत ज्यादा गर्म है। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस विधायकों के एक समूह ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के राज्यपाल के आवास के बाहर बाकायदा अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं। देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और नाजायज बातों से परहेज करना चाहिए। हम अगर समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के जातिसूचक बयान को देखें, तो सिवाय निंदा के कुछ भी संभव नहीं। एक तो किसी महिला को निशाना बनाना और दूसरी बात, अपने जायज दायरे से बाहर जाकर कोई टिप्पणी करना, दोनों निंदनीय है। यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दोराय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर काम करना चाहिए। विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है। जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। ध्यान रखना होगा, पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। ध्यान रहे, समय के साथ मीडिया का बहुत विस्तार हुआ है और उसका एक बड़ा हिस्सा ऐसी ही गलतबयानी का भूखा है। उसे ऐसे ही बिगड़े बोल वाले कंटेंट की तलाश है। अतः कम से कम देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई अप्रिय या प्रतिकूल ध्वनि नहीं पैदा करनी चाहिए।

विशाल रक्तदान व चिकित्सा शिविर का आयोजन 1 जून को

जयपुर. शाबाश इंडिया

कैलाश विमल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट एवं अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग के संयुक्त तत्वावधान में विशाल रक्तदान एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन रखा गया है। कैलाश विमल मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक कासलीवाल मंत्री सतीश कासलीवाल (फागी वाले) एवं अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के अध्यक्ष अशोक बिंदायका (जोला वाले) महामंत्री पारस जैन बोहरा (दूदू वाले) ने बताया की स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर व चिकित्सा शिविर का आयोजन स्वर्गीय श्री कैलाश चंद्र जैन (फागी वाले) की पुण्य स्मृति में 1 जून 25 को प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 3:00 तक श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर पर रखा गया है। कैलाश विमल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्टी गण अशोक कासलीवाल, संतोष कासलीवाल, पवन कासलीवाल, सतीश कासलीवाल, मुकेश कासलीवाल, अभिषेक कासलीवाल है ' कार्यक्रम के पुण्यार्जक परिवार सतीश ,मंजू ,अनूप ,पूजा हेतवी, गुणवित कासलीवाल (फागी वाले) है। कार्यक्रम मे युवा परिषद के परम शिरोमणि संरक्षक राजीव जैन , सतीश कासलीवाल एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैलाश चंद्र , माणक चंद , रमेश जीलाल ठोलिया एवं विशिष्ट अतिथि आर.के. शर्मा मुख्य अभियंता, जेवीवीएलएन जयपुर एवं दीप प्रजलन कर्ता प्रमुख समाज सेवी राजेंद्र शाह होंगे कार्यक्रम के संयोजक रवि गोदिका, विनय सोगानी, लोकेश सोगानी, रतन सोगानी,रुचि सेठी,नीरज बाकलीवाल को बनाया गया। युवा परिषद,एवं कैलाश विमल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट आप सबसे अपील करता है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या मे रक्तदान कर पुण्य को संचित करे ' ऐसा करके हम किसी की जान बचा सकते है और रक्तदान कर हम एक बार फिर अपने मानवीय होने का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर, इस मानवता और सर्वोत्तम देशसेवा में निःस्वार्थ भागीदार बनें।

श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति, मंगलम आनंदा, जयपुर में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म की प्रभावना बढ़ाने एवं आगम के प्रचार प्रसार हेतु श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर, जयपुर के तत्वाधान में, मंदिर जी में दिनांक 16 मई 2025 को श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का मंगलमय शुभारंभ अत्यंत भक्ति भाव, उत्साह व उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस क्रम में सर्व प्रथम उपस्थित सभी बच्चों , महिलाओं और श्रेष्ठीगणों ने अपने हाथों मे ध्वजा लेकर जिनवाणी माता के साक्ष्य में महामंत्र णमोकार के उच्चारण के साथ मुख्य वेदी की तीन परिक्रमा की। इस पावन अवसर पर समाज श्रेष्ठी दिनेश झ बीना सेठी परिवार (टावर 02/803) ने परम पूज्य आचार्य 108 श्री विध्या सागर जी महामुनिराज के चित्र का अनावरण और समाज श्रेष्ठी रमेश - चंद्रकांता जैन परिवार (मेरिगोल्ड -जी 11) ने दीप प्रज्वलन कर शिविर विधिवत शुभारंभ किया गया। विदुषी पूर्ति , विदुषी दिवान्सी व संस्थान से पधारे रेखा जी का अभिनंदन किया गया। आज शिविर के प्रथम दिन 18-20 बच्चों ने व 40 वयस्कों ने आगम के प्रति जिज्ञासा प्रकट करते हुए उत्साह पूर्वक शिविर में भाग लिया । बच्चों को विदुषी पूर्ति द्वारा बाल बोध भाग 1 (सचित्र) एवं विदुषी दिवान्सी द्वारा वयस्कों को इष्टोंपदेश का अध्यापन शुरू करवाया गया । बच्चों को आज की प्रभावना शुभकामना ग्रुप द्वारा प्रदान की गई। इस आयोजन में पधारे हुए समस्त मान्यवर अतिथिगण एवं अभिभावकों का मंदिर समिति, महिला मंडल एवं नवयुवक मंडल हार्दिक अभिनंदन एवं आभार व्यक्त करते हैं।

श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी मे धार्मिक शिक्षण शिविर "शिक्षा ओर संस्कार" का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान, श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान संस्कार शिक्षण शिविर श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी मे धार्मिक शिक्षण शिविर "शिक्षा ओर संस्कार" का आयोजन (16 मई से 27 मई 2025) हो रहा है।

16 मई 2025 आज शिविर मे दीदियो ने मंगलाचरण के साथ कक्षा प्रारम्भ की। संस्थान से आई सौम्या दीदी,मिति दीदी, मुस्कान दीदी, रिमि दीदी ,इशिका दीदी सभी ने बड़े सहज व सरल तरीके से बच्चों को धर्म की महत्ता का व श्रावक के षट आवयशक कर्म के बारे मे बताया। आज की प्रभावना रामचंद्र , श्रीमती ममता, आशीष, रश्मि, विनय, सुनैना, नमन, भोमिक ,कशिश ,काव्या द्वारा वितरित की गई। कुल 112 बच्चों ने संस्कार शिविर मे भाग लिया ।सभी शिविर मे आकर उत्साहित थे।

शंकर दास जी महाराज की बरषोदी पर मूर्ति स्थापना

सीकर. शाबाश इंडिया

जिले के गांव कुदन में काली कमली वाले बाबा की बगीची में परम पूज्य संत ब्रह्मलीन शंकर दास जी महाराज की बरषोदी पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें 18 मई रात्रि जागरण कार्यक्रम रखा गया है जिसमें आसपास के गायक कार व साधु संतों के मुख वाणी से रात भर भजनों की रसधार बहेगी। तथा 19 मई वार सोमवार को सुबह 7.30 पर गांव के मंदिर से आश्रम तक कलश यात्रा निकाली जाएगी उसके बाद संत शंकर दास जी महाराज की सुबह 9.15बजे बगीची में मूर्ति स्थापना की जायेगी। उसके बाद प्रसादी ग्रहण कार्यक्रम रखा गया है ।

निमंत्रण

स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक

के

31वें स्थापना दिवस

के उपलक्ष्य पर मित्रगणों द्वारा

आयोजित

रक्तदान शिविर

में

डॉ. एस. एस. अग्रवाल सादर आमंत्रित करते है।

दिनांक : रविवार, 18 मई 2025

समय : प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक

स्थान : स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक, 125, मिलाप नगर, टोंक रोड, जयपुर

निवेदन है कि आप अपने परिवार एवं मित्रों सहित पधारे ।

विनीत :

आनन्द अग्रवाल
प्रबंध निदेशक

डॉ. सर्वेश अग्रवाल
निदेशक

0141-2545293, 2721771, 9982211000

बदन की बाजीगरी या सशक्तिकरण का भ्रम?

सोशल मीडिया पर देह की नुमाइशः सशक्तिकरण या आत्मसम्मान का संकट?

''लाइक्स की दौड़ में खोती पहचान: नारी सशक्तिकरण का असली मतलब''

सोशल मीडिया पर नारी देह का बढ़ता प्रदर्शन क्या वाकई सशक्तिकरण है या महज लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़? क्या हम सच्ची आजादी की ओर बढ़ रहे हैं या एक डिजिटल पिंजरे में कैद हो रहे हैं? क्या आत्मसम्मान की जगह केवल देह की नुमाइश रह गई है? क्या महिलाओं की पहचान अब सिर्फ उनके शरीर के आकार तक सिमट गई है? यह सवाल आज की डिजिटल पीढ़ी के सामने एक बड़ी चुनौती है, जो सशक्तिकरण और आत्मसम्मान के असली मायने खोजने की मांग करता है। तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे?

प्रियंका सौरभ

क्या हो गया है आजकल औरतों को? सोशल मीडिया पर उठते कोलाहल में हर ओर एक ही स्वर गूंज रहा है झ देह प्रदर्शन का। कहीं चटकते-फड़कते रील्स में, कहीं भड़कते-उलझते डांस मूव्स में, और कहीं जूम इन होती नजरों के बीच, बस एक ही प्रदर्शन झ अपनी चपल देह की अदा का। मानो देह ही पहचान बन गई हो। सच पूछो तो इस दौर में देह का कारोबार जितना खुलकर हो रहा है, उतना पहले कभी न हुआ था। सोशल मीडिया ने देह को एक 'प्रॉडक्ट' बना दिया है, जिसे जितना ज्यादा दिखाओ, उतना ज्यादा लाइक्स, फॉलोअर्स और व्यूज बटोर लो। मानो आत्मसम्मान का कद अब कमेंट्स की लंबाई और लाइक्स की संख्या से मापा जाने लगा हो। वो जो कभी सभ्यता की पहचान थी, अब डिजिटल हाट बाजार में बिक रही है। जिस समाज में नारी का सम्मान उसकी आंखों की लज्जा, चेहरे की सौम्यता और आचरण की मयार्दा से आंका जाता था, वहां आज उसका अस्तित्व उसके चोली के घेरे और पिंडलियों की नुमाइश में सिमट कर रह गया है। यह डिजिटल क्रांति का अजीब दौर है, जहां औरतें 'बोल्ड' होने का झूठा अर्थ 'बदन दिखाने' से जोड़ बैठी हैं। यह कैसी आजादी है, जहां अपनी पहचान की कीमत देह के टुकड़ों में चुकानी पड़े? औरतें खुद को जिस फेमिनिज्म की आड़ में उभार रही हैं, क्या वो असल में नारी शक्ति का उत्थान है, या महज लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़? सोचिए, इस देह प्रदर्शन की होड़ में कितनी महिलाएं खुद को खो रही हैं? क्या यह वाकई सशक्तिकरण है या एक नया बंधन, जहां औरतें एक डिजिटल पिंजरे में फंसती जा रही हैं, अपनी असली पहचान को खोकर बस एक देह भर बनती जा रही हैं? नारी स्वतंत्रता का अर्थ तो आत्मसम्मान, शिक्षा, और निर्णय लेने की स्वतंत्रता था, न कि केवल बदन दिखाने का अधिकार। ये तो वही हुआ जैसे किसी को सोने की चिड़िया बना दो और फिर पिंजरे में कैद कर दो। सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे? आज सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन चुका है, जहां कुछ महिलाएं खुद को साबित करने के लिए हर हद पार कर रही हैं। कपड़ों का छोटा होना और बोल्ड पोज देना ही अगर 'बोल्डनेस' है, तो फिर आत्मविश्वास, शिक्षा, और स्वाभिमान का क्या? क्या यही है

सशक्तिकरण का असली मतलब? क्या हमारा समाज वाकई इतना सतही हो गया है कि हम केवल बदन के आधार पर किसी की कीमत आंकने लगे हैं? सोचिए, आज जो महिलाएं देह प्रदर्शन को सशक्तिकरण मान रही हैं, क्या वो सच में खुद को सशक्त महसूस करती हैं? क्या उन्हें पता है कि वो केवल एक डिजिटल उत्पाद बनकर रह गई हैं, जिनका मूल्य केवल उनके शरीर के आकार और नृत्य कौशल से मापा जाता है? यह समस्या केवल महिलाओं की नहीं है, बल्कि उस पूरी डिजिटल संस्कृति की है, जिसने नारी शरीर को एक मनोरंजन सामग्री बना दिया है। वो शरीर जो कभी मातृत्व, प्रेम और करुणा का प्रतीक था, आज महज व्यूज और फॉलोअर्स की भूख का साधन बन गया है। तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे? आखिर सवाल यह है कि क्या देह का प्रदर्शन वाकई सशक्तिकरण है या बस एक भ्रम? क्या आज की नारी अपनी असली पहचान से दूर होती जा रही है, जहां उसकी शक्ति, बुद्धि और आत्मविश्वास की जगह सिर्फ उसके शरीर का आकार और आकर्षण ही अहम रह गया है? यह डिजिटल युग हमें नई संभावनाओं और अभिव्यक्ति की आजादी देता है, पर क्या यह स्वतंत्रता वाकई हमें आजाद कर रही है या बस एक और जाल में फंसा रही है? नारी स्वतंत्रता का अर्थ केवल कपड़ों की लंबाई या शरीर के प्रदर्शन तक सीमित नहीं है। असली स्वतंत्रता है अपने विचारों, अधिकारों और आत्मसम्मान की रक्षा करना। यह वो स्वतंत्रता है, जो एक नारी को उसकी असल पहचान देती है झ एक शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त इंसान के रूप में। सोशल मीडिया पर जिस दिखावे की होड़ मची है, वह केवल लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़ नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की गिरावट का प्रतीक है। यह एक डिजिटल पिंजरा है, जहां औरतें खुद को स्वतंत्र मानते हुए भी एक गहरे बंधन में बंधी हुई हैं। हमें यह समझना होगा कि असली सशक्तिकरण आत्मनिर्भरता, शिक्षा और आत्मसम्मान में है, न कि केवल देह प्रदर्शन में। अगर हमें सही मायनों में नारी शक्ति को बढ़ाना है, तो हमें इस भ्रम से बाहर आना होगा और एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां औरतें अपनी पहचान अपने विचारों से बनाएं, न कि केवल अपने शरीर से।

देह की दीवारें और आत्मा की पुकार

मैं स्त्री हूं देह से परे, मन की मौन पुकार,
नमन की ज्वाला, समर्पण का उजास,
किंतु देखो, कैसी हो गई हूं मैं,
चमकती स्क्रीन पर बिंधी एक देह भर।

जहां कभी चूड़ियों की खनक थी,
आज वहां बस लाइक्स का शोर है,
जहां कभी पायल की झंकार थी,
वहां अब फॉलोअर्स की भीड़ है।

मुझे कद नापने थे विचारों के,
मुझे परवाज देनी थी आत्मा को,
पर मैं उलझी हूं उंगलियों के इशारों में,
कैमरे की जद में, कमेंट्स की भीख में।

मेरे कपड़ों की लंबाई पर होती है चर्चा,
मेरे हंसने-रोने पर लगते हैं दाम,
मैं औरत हूं इस मन का विस्तार हूं,
फिर क्यों बांध दी गई हूं बदन की जंजीर में?

सोचो, क्या मैं सच में सशक्त हूं?
क्या यही मेरी परिभाषा है,
या फिर मैं वही चुप्पी हूं,
जिसे सदियों से अनसुना किया गया है?

आओ, तोड़ें इस भ्रम की दीवारें,
लाइक्स की भूख से मुक्त हो जाएं,
खुद को फिर से पहचानें,
बनें वो दीपशिखा, जो खुद को जलाकर रौशनी बिखेरती है।

- प्रियंका सौरभ

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
saabaasindia@gmail.com | weeklysaabaas@gmail.com

णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर की एक बस आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी के दर्शनार्थ रवाना हुई

जयपुर. शाबाश इंडिया

णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर की एक बस 105 गणनी प्रमुख आर्यिका रत्न ज्ञानमति माताजी के दर्शन के लिए रवाना हुई। अध्यक्ष हरक चन्द बडजात्या हमीरपुर वाले, मंत्री महावीर कुमार चांदवाड ने बताया कि 105 गणनी प्रमुख आर्यिका रत्नज्ञान मति माताजी द्वारा प्रणीत णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर की नवनिर्वाचित प्रबंध समिति द्वारा प्रथम बैठक में लिये गये निर्णयानुसार गणनी प्रमुख आर्यिका रत्न ज्ञानमति माताजी, चन्दनामति माताजी व पीठाधीश रविन्द्र कीर्ति स्वामी जी के दर्शन आशीर्वाद लेने हेतु महावीर नगर स्थित श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रथम अभिषेक, दर्शन कर सामूहिक रूप से अर्घ समर्पित कर समिति के पूर्व अध्यक्ष रतनलाल कोठ्यारी, मंत्री बाबूलाल जैन व कोषाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार पापडीवाल ने सभी के तिलक लगाकर शुभकामनाएं देते हुए भगवान पारसनाथ की जय बोलते हुए बस को रवाना की।

इंडियन रेडक्रास सोसायटी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

इंडियन रेडक्रास सोसायटी, राज्य शाखा, राजस्थान द्वारा चेयरमैन राजेश कृष्ण बिरला की प्रेरणा से राज्य शाखा मुख्यालय, जयपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंकज गुप्ता (प्रदेश कोषाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान), सौरभ दानी, कॉर्डिनेटर, भवन निर्माण, भारतीय जनता पार्टी तथा राज्य शाखा राजस्थान के कोषाध्यक्ष रमेश मुंदडा उपस्थित रहे। इस अवसर पर गुप्ता ने रेडक्रॉस की गतिविधियों की प्रशंसा की तथा रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। सौरभ दानी ने रेडक्रॉस के सेवा कार्यों की प्रशंसा की। मुंदडा ने रेडक्रॉस के इतिहास एवं वर्तमान परिपेक्ष्य में इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। संस्था के जनरल सेक्रैटरी जगदीश जिंदल ने बताया कि शिविर जे.के. लोन हॉस्पिटल , जयपुर की रक्त संग्रहण टीम के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें कुल 108 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। अंत में संस्था प्रभारी श्याम सुन्दर शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

निवाई के अंशुल जैन का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

आगामी राष्ट्रीय स्तर पर पुणे मे खेलेगा अंशुल

निवाई. शाबाश इंडिया। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आगेर्नाइजेशन जयपुर जिले के तत्वावधान में 5 जनवरी को अखिल भारतीय चेम्पियन शिप बेडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें निवाई के अंशुल जैन ने अपने एकल युगल में प्रथम व मिश्रित वर्ग मे दितीय स्थान जीतकर गोल्ड व सिल्वर मैडल हासिल कर एक बार फिर टोंक जिले का नाम रोशन किया है। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि अंशुल पाटनी पुत्र विमल पाटनी ने जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आगेर्नाइजेशन कार्यक्रम में भाग लेकर बेडमिंटन प्रतियोगिता में निवाई का परचम लहराया। जौंला ने बताया कि जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आगेर्नाइजेशन की ओर से आगामी होने वाली पुणे मे 30 मई से 1 जून को होने वाली राष्ट्रीय बेडमिंटन प्रतियोगिता में अंशुल जैन का चयन हुआ है। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आगेर्नाइजेशन के तत्वावधान में 5 जनवरी को जयपुर में अंशुल जैन को सम्मानित भी किया गया। उल्लेखनीय है कि अंशुल जैन ने विगत वर्षो में मेरठ भूटान दिल्ली व जयपुर आदि कई राज्यों में बेडमिंटन प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल कांस्य पदक सिल्वर मेडल जीते हैं।

लॉयंस क्लब जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष सेवा कार्यों के लिए सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रांत द्वारा प्रदत्त उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए लॉयंस क्लब जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष अनिल जैन, सेवानिवृत्त आइ पी एस, सचिव लॉयन विमल गोलछा एवं कोषाध्यक्ष लॉयन अनिल जैन को पी एम सी सी लॉयन गोविंद शर्मा तत्कालीन रीजन चेयरपर्सन एम जे एफ लॉयन सुरेन्द्र जैन पांड्या द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

लोकाशाह जैन नवयुवक मंडल, ब्यावर द्वारा नवकार शीतल जल गृह के जीर्णोद्धार का लोकार्पण सम्पन्न

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। लोकाशाह जैन नवयुवक मंडल, ब्यावर की प्रेरणा से अमृत कौर अस्पताल परिसर में स्थित नवकार शीतल जल गृह का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण कर उसका लोकार्पण सम्पन्न किया गया। यह कार्य दो परिवारों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। श्रीमती सूरज कंवर चौरड़िया की प्रेरणा से स्वर्गीय प्रेमसुख जी चौरड़िया की पुण्य स्मृति में, संजय जी एवं दिव्यम जी चौरड़िया परिवार द्वारा। स्वर्गीय भंवरलाल जी एवं स्वर्गीय चंचल कंवर जी की पुण्य स्मृति में, महावीरचंद, निर्मल कुमार, राजू भाई एवं आनंद कुमार सेठिया परिवार द्वारा इस शीतल जल गृह का उद्घाटन अमृत कौर अस्पताल के पीएमओ डॉ. एस. एस. चौहान द्वारा फीता काटकर किया गया। उन्होंने सभी सहयोगी परिवारों व दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

संघ की समाजसेवी पहलें

मंडल अध्यक्ष राजू भाई सेठिया ने बताया कि इस भीषण गर्मी के मौसम में नगरवासियों की प्यास बुझाने हेतु मंडल द्वारा कई स्थानों पर शीतल जल गुमटियां लगाई जा रही हैं तथा बंद पड़ी प्याऊओं का जीर्णोद्धार कर उन्हें पुनः चालू किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, जानवरों के लिए विभिन्न स्थानों पर जल की टंकियां रखवाकर उनमें नियमित जल भरवाने की व्यवस्था की गई है। साथ ही मूक पक्षियों के लिए परिंडे भी लगाए गए हैं।

कार्यक्रम उपरांत अल्पाहार: मंडल अध्यक्ष राजू भाई सेठिया, मंत्री श्री संजय चौरड़िया एवं कोषाध्यक्ष श्री हस्तीमल संचेती द्वारा सभी उपस्थितजनों को अल्पाहार प्रदान किया गया।

उपस्थित विशिष्टजन: इस कार्यक्रम में गौतम संचेती, अशोक पारलेचा, अनिल डोसी, निर्मल सेठिया, रोशन मेहता, पूनम भंसाली, रमेश बाकलीवाल, नरेंद्र पारलेचा, हेमंत सेठिया, नमन सेठिया, संजय खटोड़, जगदीश सिंह राठौर, प्रकाश मकाना, आनंद आबड़, नरेश बंसल, रमेश साहू, दलपत बोहरा, आशीष डोसी, मनोज गोयल, ओम साहू, शिमला सेठिया, प्रियंका, नीलम, सेजल, अस्पताल के कर्मी एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। डॉ. एस.एस. चौहान (पीएमओ), अजय अग्रवाल, रफीक मोहम्मद, ललित संतवाणी, परमेश्वर पारीक, सिद्धांत जोशी, गोपाल जोशी, डॉ. मनोज शर्मा, नावेद असलम, राकेश पाराशर सहित अनेक व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

सुबोध पब्लिक स्कूल रामबाग के छात्रों की जर्मनी के लिए सांस्कृतिक यात्रा प्रारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुबोध पब्लिक स्कूल, रामबाग, जयपुर के 15 छात्रों और 2 शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल आज दिनांक 17 मई 2025 को जर्मनी की 10 दिवसीय सांस्कृतिक यात्रा पर रवाना हुआ है। इस यात्रा का उद्देश्य छात्रों को जर्मन संस्कृति से रूबरू कराना, उनकी भाषा दक्षता बढ़ाना तथा वैश्विक समझ को प्रोत्साहित करना है। यह सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम छात्रों को जर्मनी की परंपराओं, रीति-रिवाजों और जीवनशैली का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करेगा। ये दल जर्मनी के बुखर शहर में जाएगा जिसमे स्टेम प्रोजेक्ट करेंगे । अपने प्रवास के दौरान छात्र जर्मन छात्रों से संवाद करेंगे, स्थानीय विद्यालयों का भ्रमण करेंगे और विविध सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेंगे। इससे न केवल उनकी भाषा कौशल में वृद्धि होगी, बल्कि उन्हें वैश्विक मुद्दों को समझने का व्यापक दृष्टिकोण भी प्राप्त होगा। प्रतिनिधिमंडल जर्मनी के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों, संग्रहालयों और सांस्कृतिक संस्थानों का भी दौरा करेगा, जिससे उन्हें वहां की समृद्ध विरासत और इतिहास की गहन जानकारी मिलेगी। इस अनुभव से छात्रों में पार-सांस्कृतिक समझ, संवाद कौशल और अंतरराष्ट्रीय मित्रता को बढ़ावा मिलेगा। विद्यालय के संयोजक आलोक बंब और प्राचार्य डॉ. संजय पाराशर ने पूरे दल को एक सुरक्षित, ज्ञानवर्धक और अविस्मरणीय यात्रा की शुभकामनाएं दी हैं। यह यात्रा सुबोध पब्लिक स्कूल की समग्र शिक्षा और वैश्विक एक्सपोजर प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। गौरतलब है कि पिछले 16 -17 वर्षों से ये शैक्षिक भ्रमण चल रहा है जिसमे संस्कृति का आदान प्रदान भी होता है।

सुबोध पब्लिक स्कूल रामबाग में समर कैंप में छाया रचनात्मकता, ऊर्जा और उत्साह का अद्भुत संगम

ग्रीष्मकालीन शिविर सम्पन्न हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। 12 से 17 मई 2025 तक सुबोध पब्लिक स्कूल, रामबाग में गर्मियों की छुट्टियों को एक यादगार अनुभव में बदलते हुए एक रंगारंग समर कैंप का आयोजन किया गया। फाउंडेशन, प्राइमरी और मिडिल कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए यह सप्ताह रचनात्मकता, ऊर्जा और मस्ती से भरपूर रहा। विद्यालय के संयोजक आलोक बम्ब और प्राचार्य डॉ. संजय पाराशर ने बच्चों की भागीदारी और प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में सफलता पाने के लिए कौशल विकास पर जोर देने का संदेश दिया। फाउंडेशन वर्ग के बच्चों ने ऑनलाइन सत्रों के माध्यम से योग, फायरलेस कुकिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, कहानी सुनाना और वर्चुअल जयपुर टूर जैसी रोचक गतिविधियों का आनंद उठाया। वहीं प्राइमरी और मिडिल वर्ग के विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर में जुम्बा, योग, एरोबिक्स, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, थिएटर, संगीत, नृत्य, कला और खेलों में पूरे जोश से भाग लिया। यह कैंप न केवल बच्चों के मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि उनके रचनात्मक विकास, फिटनेस और आत्मविश्वास को भी नई उड़ान दी।

धर्म की कमाई सबसे दुर्लभ है:मुनि जयकीर्ति

जैन रामायण कथाकार मुनि जयकीर्ति का विशाल जुलूस के साथ जयकारों के बीच हुआ दुर्गापुरा जैन मंदिर में मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटी कपड़ा और मकान तो हर कोई अपने जीवन में कमा लेता है किन्तु सबसे दुर्लभ कमाई है धर्म की कमाई। यह हर किसी के भाग्य में नहीं होती है। धर्म कमाने के लिए सालों गुजर जाते हैं। ये उदगार जैन रामायण कथाकार मुनि जयकीर्ति मुनिराज ने दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में अपने मंगल प्रवेश के मौके पर आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा कि जीवन में जो बोलोगे वही पाओगे, जिसको चाहोगे उसको पाओगे किन्तु इसके लिए अन्दर से ढूंढने एवं पाने की ललक होनी चाहिए, चाहत होनी चाहिए। अगर सच्चे मन, श्रध्दा एवं विश्वास से चाहत रखोगे तो वह अवश्य पूरी होगी। मुनि श्री ने पद्मपुराण के अनुसार बताया कि श्री राम चन्द्र का जन्म जैन धर्म के 20 वें तीर्थंकर भगवान मुनिसुव्रत नाथ के समकक्ष हुआ था। साढे बारह लाख साल पहले जन्म हुआ है। प्राचीन समय में जंगल की लकडियों को तोडकर कलम बनाते, जंगल की वनस्पतियों की स्याही बनाकर पुराण जिनवाणी की रचना करते थे। प्राचीन ग्रंथ पद्मपुराण की रचना रविषेणाचार्य द्वारा की गई है। इस राम के कथानक को सुनने का बड़ा महत्व है एक महापुरुष जीवन में सिखाता है कि सब कुछ छूट जाए पर कर्तव्य व अपना लक्ष्य ना छूटे। धर्मसभा का शुभारंभ समाजश्रेष्ठियों द्वारा भगवान चन्द्र प्रभू के चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इस मौके पर नन्हीं बालिकाओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति के रूप में मंगलाचरण प्रस्तुत किया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने रविवार, 18 मई से शुरू होने वाले जैन धर्म के प्राचीन ग्रंथ पद्मपुराण पर आधारित जैन रामायण कथा के संगीतमय आयोजन की विस्तृत जानकारी दी। संघस्थ ब्रह्मचारिणी दीदी पल्लवी ने अपने उदबोधन में मुनि श्री के परिचय एवं उनके त्याग तपस्या, साधना की जानकारी देते हुए बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जैन धर्म सहित अन्य धर्मों में पूजनीय हैं। आठवें बलभद्र श्री राम चन्द्र मांगीतुंगी तीर्थ से मोक्ष गये हैं। धर्म सभा का मंच संचालन दुर्गापुरा जैन मंदिर के मंत्री राजेन्द्र काला ने किया। धर्म सभा में समाजसेवी जय कुमार जैन, ज्ञान चन्द झांझरी, अशोक जैन नेता, कमल बाबू जैन, राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष बैद, जिला अध्यक्ष संजय पाण्डया, महामंत्री सुभाष बज, जैन कनेक्ट के अध्यक्ष अंकुर जैन, उपाध्यक्ष राहुल गोधा, महामंत्री अतीव जैन, कोषाध्यक्ष रुपल गंगवाल, संयुक्त मंत्री हिमांशु जैन सहित दस दिवसीय आयोजन के मुख्य संयोजक अनुज जैन, संयोजक मनीष सोगानी,संदीप पाटनी, कमलेश जैन, दीपिका गोधा एवं जैन समाज के कई गणमान्य श्रेष्ठीजन एवं महिला मण्डलों की सदस्याए उपस्थित थी। इससे पूर्व प्रसिद्ध दिगम्बर जैन गणाचार्य कुन्थी सागर महाराज एवं णमोकार तीर्थ नासिक के प्रणेता आचार्य देव नन्दी महाराज के शिष्य विशिष्ट राम कथाकार, मुनि प्रवर जयकीर्ति मुनिराज का शुक्रवार को गाजों बाजों के साथ विशाल जुलूस के साथ दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस मौके पर दुर्गापुरा महिला मण्डल की सदस्याओं ने मुख्य द्वार पर सिर पर मंगल कलश लेकर मुनि संघ की भव्य अगवानी की। मंदिर ट्रस्ट प्रबंधकारिणी समिति द्वारा अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड एवं मंत्री राजेन्द्र काला के नेतृत्व में मुनि श्री के पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की गई। इससे पूर्व जय जवान कालोनी के दिगम्बर जैन मंदिर से प्रातः 8 बजे मुनि श्री विशाल जुलूस के साथ दुर्गापुरा के लिए रवाना हुए। जुलूस में बैण्ड बाजों के साथ महिला मण्डलों की सदस्याऐं हाथों में जैन ध्वज लेकर शामिल हुई। सैकड़ों समाज बन्धु नाचते गाते जयकारे लगाते हुए शामिल हुए।

दिगंबर जैन समाज की नव कार्यकारिणी का गठन

पत्रकार मनोज सोनी का पुनः मीडिया सलाहकार प्रवक्ता पद पर हुआ मनोनयन

निम्बाहेड़ा. शाबाश इंडिया। श्री सकल दिगंबर जैन समाज की नवीन कार्यकारिणी के गठन में मनोज सोनी का मीडिया सलाहकार प्रवक्ता पद पर पुनः मनोनयन हुआ है। नगर में सकल दिगम्बर जैन समाज के चुनाव सर्व सम्मति से सम्पन्न हुए जिसमे आगामी 2 वर्षों के लिए नअध्यक्ष अशोक गदिया, महामंत्री विनोद कुमार जैन, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश पटवारी, सह-कोषाध्यक्ष राकेश देवरिया, उपाध्यक्ष चेतन जैन, हरमेश संघवी, सह-मंत्री अमित अग्रवाल, संगठन मंत्री सुरेन्द्र विनायका, प्रिंस कुणावत, मीडिया सलाहकार प्रवक्ता पत्रकार मनोज सोनी, कार्यकारिणी सदस्य के रूप में महेन्द्र पाटनी, पीयूष मोदी-(मांगलिक भवन प्रभारी), ललित पाटनी, तपन पारलिया का मनोनयन किया गया समाज के परम संरक्षक अशोक पाटनी एवं संरक्षक पारसमल पटवारी, ऋषभ पटवारी, सुमतिलाल पटवारी, महेन्द्र दावड़ा, सुशील काला, मनोज पटवारी को बनाया गया। इसी तरह श्री शांतिनाथ मंदिर, न्यू सभागार, संत भवन, पुराना चेत्यालय भवन व्यवस्था कमेटी में समाज के कमलेश कोठारी, राजेश गंगवाल, नरेंद्र पटवारी, विशाल संघवी को तथा श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर व्यवस्था कमेटी में प्रेमचंद पाटोदी, जीवन्धर पाटनी, पवन शाह, दिलीप अग्रवाल, मनीष गदिया अपना सहयोग करेंगे।

जय जिनेन्द्र

श्री सुनील जी चांदवाड
श्रीमती टीना जी चांदवाड

मोबाइल नंबरः 9314077321

मोबाइल 9314077321

20वी वैवाहिक वर्षगांठ पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु
अशोक - सुनीता
रौनक - बुलबुल
अर्पित - याशिका